

Shri Parshvanath Bhagwan ki Aarti

॥ श्री पार्श्वनाथ भगवान की आरती ॥

ॐ जय पारस देवा स्वामी जय पारस देवा !
सुर नर मुनिजन तुम चरणन की करते नित सेवा ।

पौष वदी ग्यारस काशी में आनंद अतिभारी,
अश्वसेन वामा माता उर लीनों अवतारी ।

ॐ जय पारस देवा

श्यामवरण नवहस्त काय पग उरग लखन सोहैं,
सुरकृत अति अनुपम पा भूषण सबका मन मोहैं ।

ॐ जय पारस देवा

जलते देख नाग नागिन को मंत्र नवकार दिया,
हरा कमठ का मान, ज्ञान का भानु प्रकाश किया ।

ॐ जय पारस देवा

मात पिता तुम स्वामी मेरे, आस करूँ किसकी,
तुम बिन दाता और न कोई, शरण गहूँ जिसकी ।

ॐ जय पारस देवा

तुम परमात्म तुम अध्यात्म तुम अंतर्यामी,
स्वर्ग-मोक्ष के दाता तुम हो, त्रिभुवन के स्वामी ।

ॐ जय पारस देवा

दीनबंधु दुःखहरण जिनेश्वर, तुम ही हो मेरे,
दो शिवधाम को वास दास, हम द्वार खड़े तेरे।

ॐ जय पारस देवा

विपद्-विकार मिटाओ मन का, अर्ज सुनो दाता,
सेवक द्वै-कर जोड़ प्रभु के, चरणों चित लाता।

ॐ जय पारस देवा

InstaVishu